>

Title: Problems being faced by labourers working in various industries/organizations.

चौधरी लाल सिंह (उधमपुर): महोदय, आपकी परमीशन से मैं अपने इलाके की एक दुखभरी बात बताना चाहता हूँ। हमारे इलाके में वैष्णो देवी के मज़दूरों पर जो तशद्दद बड़े वर्षों से चल रहा है, उसके बारे में बोलने के लिए मैं खड़ा हुआ हूँ। मैं इसलिए इस मैटर को अर्जेन्ट समझता हूँ क्योंकि हर साल 31 मार्च को इनका टैन्डर होता है। आप हैरान होंगे कि दुनिया के किसी कोने में और हिन्दुस्तान के किसी कोने में मज़दूरों से किसी किस्म का कमीशन या टैक्स नहीं लिया जाता। सिर्फ वैष्णो देवी के मज़दूरों का इस नाजायज़ तरीके से एक्सप्लाइटेशन हो रहा है। हमारे लेबर मिनिस्टर जो बहुत ही डायनैमिक मिनिस्टर हैं, मेरी खुशनसीबी है कि वे यहाँ हैं। मैं उनसे कहना चाहता हूँ कि इस पर रोक लगाने की ज़रूरत है और देखना है कि वह टैन्डर किस बात का टैन्डर है। आप हैरान होंगे कि एक पिट्ठू एक आदमी को उठाकर ले जाता है, वज़न को उठाकर ले जाता है। बाणगंगा से लेकर जब वैष्णोदेवी की तरफ जाता है तो उसको जो पैसे मिलते हैं, अगर उसको 207 रुपये मिलते हैं तो उसमें से 33 रुपये उसकी कमीशन जाती है और 6.48 रुपये उस गरीब से वैलफेयर फंड के नाम से लिये जाते हैं। मैं इस बात को पिछली दफा भी कह चुका हूं। मुझे इस बात का अफसोस होता है। कौन इस बात को सुनेगा? मैं यहां रिप्रजेंट करता हूं और जो सुनते हैं, मैं उनको कह रहा हूं कि कौन सी इस देश में म्यूनिसीपल कमेटी है, कौन सी कमेटी है जो इस चीज के लिए एक्सप्लोइट करती है, उसकी तरफ जाएं। पोनी वाला, पालकी वाला रास्ते में जाता है या पिट्ठू वाला जाता है, जब वह जाता है तो रास्ते में उसको किसी भी भोजनालय में, किसी कैम्प में, किसी जगह पर न तो वह चाय पी सकता है, जो सरकार की तरफ से खुले हुए हैं, उसको वहां खाना-पीना एलाउड नहीं है, वह रूट पर कहीं कोई चीज नहीं खा सकता है, कहीं कोई चीज नहीं ले सकता है। मुझे इस बात का अफसोस है कि उनके साथ यह नाइंसाफी की जा रही है, हम इसके खिलाफ खड़े हुए हैं। पिछली दफा भी मैं इसके खिलाफ वैल में चला गया था। मैं यह कहना चाहता हूं कि यदि मेरे इलाके के लोगों का शोषण होगा तो मेरा सांसद बनने का क्या फायदा है? उन मजदूरों का शोषण हो रहा है जो पूरी यात्रा चला रहे हैं, पूरी दुनिया को उठाकर दर्शन करवाते हैं। उसमें 70 प्रतिशत पिछड़े वर्ग के गुज्जर हैं, मुस्लिम हैं, कल एक मुसलमानों के ठेकेदार बोल रहे थे, मैं यह कहना चाहता हूं कि उस गरीब मजदूर का, जो हिन्दू यात्री को उठाता है, यदि आपने सैक्यूलरिज्म देखना है तो वैष्णों देवी में देखो, जो यात्री को उठाता है, वह अल्लाह-अल्लाह करता है और ऊपर से यात्री जय माता की करता है। यदि उस मजदूर के साथ नाइंसाफी होगी तो मैं यहां रीप्रज़ेन्ट करूंगा...(व्यवधान) मेरी बात पूरा देश सुन रहा है और लालू जी आप भी मेरी बात सुन लें। आप भी मजदूरों के बड़े मसीहा बनते हैं, क्यों नहीं आप वहां उनके हक में धरने पर बैठते हैं। मेरा मंत्री जी अनुरोध है कि इस बार उसका टैन्डर नहीं होना चाहिए, नहीं तो मैं यहां धरने दूंगा, चिल्लाऊंगा और आप परेशान हो जाओगे और आप सभी मेरा साथ देना।